बाबा उन भक्तों के वश में हो जाते है लिरिक्स

बाबा उन भक्तों के,
वश में हो जाते है,
रोज नियम से,
श्याम को जो भी,
भजन सुनाते है।bd।

तर्ज – सावन का महीना।

सुर ना ही ताल देखे,
देखता ये भाव है,
बढ़ जाता सांवरे का,
उनसे लगाव है,
उनके घर में बाबा,
नित आते जाते है,
रोज नियम से,
श्याम को जो भी,
भजन सुनाते है।bd।

रीझता नहीं है बाबा,
दौलत के जोर से,
खिंचा चला आए केवल,
भजनो की डोर से,
भजनो के लालच में,
ये दौड़ के आते है,
रोज नियम से,
श्याम को जो भी,
भजन सुनाते है।bd।

श्याम मिलन का 'माधव',
भजन ही है जरिया,
मिलता है भजनो से,
मेरा सावंरिया,
श्याम प्रभु आकर के,
उन्हें दरश दिखाते है,
रोज नियम से,
श्याम को जो भी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भजन सुनाते है।bd।

बाबा उन भक्तों के,
वश में हो जाते है,
रोज नियम से,
श्याम को जो भी,
भजन सुनाते है।bd।

Singer & Lyrics – Abhishek Sharma 'Madhav'

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com